Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Need to give martyr status to Doctors and Health Care workers who lost their lives due to Corona virus, while taking care of countrymen.

डॉ. आलोक कुमार सुमन (गोपालगंज): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान कोरोना से संक्रमित होने वाले डॉक्टर्स एवं हेल्थ केयर वर्कर्स की ओर दिलाना चाहता हूं, जिनके ऊपर कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा अटैक्स हुए हैं, उनको कलंकित किया गया है, कई जगहों पर बहिष्कृत भी किया गया है, उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है एवं अन्य कई तरह की परेशानियां हमारे हेल्थ केयर वर्कर्स एवं डॉक्टर्स को उठानी पड़ी हैं। जब कि वे 24 घंटे इस महामारी में लोगों की जान बचाने में कुर्बान एवं शहीद होते रहे हैं।

महोदय, भारत सरकार के अनुसार 87 हजार हेल्थ केयर वर्कर्स इनफेक्टेड हुए हैं, जिनमें से 573 की जानें गई हैं। आईएमए के अनुसार करीब 307 डॉक्टर्स की मृत्यु हुई है एवं 2,006 डॉक्टर्स इनफेक्टेड हुए हैं, जिनमें 188 प्राइवेट जनरल प्रैक्टिसनर्स भी हैं, जो डायरैक्ट पेशेंन्ट्स के कॉन्टेक्ट एवं उनकी सेवा में थे, उनकी मृत्यु हुई है। बिहार में भी 25 डॉक्टर्स की मृत्यु हुई हैं। डॉक्टर्स के परिवार भी कोरोना से प्रभावित हुए हैं। महामारी के समय डॉक्टर्स फैटर्निटी ने अपनी कुर्बानी देकर राष्ट्र की सेवा की है एवं सेवा करते-करते शहीद हो गए हैं।

महोदय, मैं पेशे से एक डॉक्टर हूं। मैं एक डॉक्टर एवं माननीय सांसद होने के नाते आपकी छत्रछाया में सरकार से आग्रह करता हूं कि सरकारी डॉक्टर्स हों या प्राइवेट हों, जो शहीद हुए हैं, उनको शहीद का दर्जा दिया जाए। उनके बच्चों एवं परिवार को शहीदों की भांति सोशल सिक्योरिटी दी जाए एवं क्वालिफिकेशन के आधार पर नौकरी एवं शहीद की तरह उनको क्षतिपूर्ति दी जाए। धन्यवाद।